सुखोई-30 MKI विमान के लिये एयरो-इंजन की खरीद

स्रोत: पी.आई.बी.

हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल की **सुरक्षा मामलों की समिति (Cabinet Committee on Security-CCS)** ने **भारतीय वायु सेना (Indian Air Force- IAF)** के **Su-30 MKI विमान** के लिये हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) से 240 एयरो-इंजन (AL-31FP) की खरीद को मंज़ूरी दी।

- ये एयरो-इंजन भारतीय वायुसेना के सुखोई-30 बेड़े के सतत् संचालन को सुनिश्चित करेंगे, जिससे भारत की रक्षा तैयारियों में वृद्धि होगी।
- इसे **हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL)** से **खरीद (भारतीय) श्रेणी** के तहत खरीदा जाएगा। 'खरीद (भारतीय)' श्रेणी में भारतीय विक्रेताओं से उत्पाद खरीदना शामिल है, जो निम्नलिखित में से किसी एक अनुसरण करता हो:
  - कुल अनुबंध मूल्य के कम-से-कम **50% स्वदेशी सामग्री (Indigenous Content- IC) के साथ स्वदेशी रूप से परिकल्पित, विकसित और निर्मित किया गया** हो।
  - कुल अनुबंध मूल्य का कम-से-कम **60% IC** हो, भले ही वह स्वदेशी रूप से परिकल्पित या विकसित न किया गया हो।
- इन इंजनों में **54% से अधिक स्वदेशी सामग्री** हो।
- भारतीय वायुसेना वर्तमान में **259 Su-30 MKI लड़ाकू विमानों** का संचालन करती है।
  - Su-30MKI एक **बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान है, जिसे सुखोई डिज़ाइन ब्यूरो** (रूस की एयरोस्पेस कंपनी) और **HAL द्वारा** भारतीय वायु सेना (IAF) के लिये संयुक्त रूप से विकसित किया गया है।
- **CCS की अध्यक्षता प्रधानमंत्री द्वारा** की जाती है। इसके अन्य सदस्यों में वित्त, रक्षा, गृह और विदेश मंत्री शामिल हैं।
  - महत्त्वपूर्ण नियुक्तियों, **राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मुद्दों** और रक्षा व्यय पर प्रमुख निर्णय CCS द्वारा ही लिये जाते हैं।

और पढ़ें: रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/procurement-of-aero-engines-for-su-30-mki-aircraft